बिना नम्बर के ट्रेक्टर ने फिर ली एक की जान

शादी योग्य बालिकाओं के सिर से उठा पिता का साया

नवभारत न्यूज

पन्ना, 13 जून। पन्ना जिले में बिना किसी वैध अभिवहन पास एवं ओव्हर लोड रेत वाहन दिन रात चल रहे है और आये दिन इन वाहनों की चपेट में आकर बैमोत लोग मारे जा रहे है। यही नही उक्त रेत वाहन आये दिन किसी की भी जान लेकर मौके से फरार हो जाते है। चूंकि उनमें कोई नम्बर नही होने से लोग उसकी रिपोर्ट भी दर्ज नही करा पाते। वही वाहन पकड़ में आता है जिसे मौके पर लोग पकड़ लेते है।

एक ऐसा ही हादसा कल शाम पन्ना जिले के धरमपुर थाना अन्तर्गत ग्राम छतैनी में घटित हुआ, जिसमें रोड किनारे पैदल जा रहे रज्जू सेन उम्र 45 वर्ष को बिना नम्बर के ओव्हर लोड रेत वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

हासिल जानकारी के अनुसार उक्त हादसा कल उस समय घटित हुआ जब मृतक रज्जू सेन हीरापुर की ओर जा रहा था और दूसरी तरफ टिकुरहा की ओर से रेत से भरा ट्रेक्टर आ रहा था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि रज्जू सेन की मौके पर ही मौत हो गई। उसके दो पुत्रियां शादी योग्य है और इतना ही नही इकलौते पुत्र की पिछले वर्ष एक हादसे मे मौत हो गई थी और अब पुत्रियों के सिर से पिता का साया भी उठ गया।

आखिर जिला प्रशासन कितनी और जिंदगीयों से खेलेगा, आखिर क्यों नही रेत वाहनों में नम्बर तथा ओव्हरलोड़ वाहनों पर नियमित कार्यवाही क्यों नही होती यह समझ से परे है।

कौस्तुभ सोनी का असिस्टेंट कमांडेंट पद पर चयन

पन्ना, 13 जून। दक्षिण पन्ना वनमण्डल में पदस्थ वनपाल गणेश सोनी के सुपुत्र कौस्तुभ सोनी का चयन संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा के माध्यम से असिस्टेंट कमांडेंट पद पर हुआ है। यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार, बल्कि सम्पूर्ण दक्षिण पन्ना वनमण्डल एवं पन्ना जिले के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इस उल्लेखनीय सफलता पर गणेश सोनी एवं उनके समस्त परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर 12 .65 लाख की ठगी

नवभारत न्यूज

पन्ना, 13 जून। विदेश में नौकरी दिलाने और यूके भेजने का झांसा देकर एक कथित एजेंट ने दो युवकों से 12 लाख 65 हजार 900 रुपए की ठगी कर ली। आरोपी ने फर्जी पासपोर्ट तैयार कर पीड़ित को सौंप दिया, जिसकी पोल अहमदाबाद एयरपोर्ट पर खुल गई। मामले में बृजपुर थाना पुलिस ने आरोपी आशु चौधरी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ग्राम अहिरगवां कैम्प निवासी हीरामन मंडल ने पुलिस को बताया कि वह और उसका साथी देवानंद मंडल विदेश जाकर काम करना चाहते थे। इसी दौरान उनकी मुलाकात मोबाइल के माध्यम से स्वयं को वीजा और वर्क परमिट एजेंट बताने वाले आशु चौधरी से हुई। आरोपी ने दोनों को यूके में नौकरी और वैध वीजा दिलाने का भरोसा दिलाया तथा फरवरी 2026 में दिल्ली बुलाकर उनके मूल पासपोर्ट ले लिए।

पीड़ितों के अनुसार आरोपी ने प्रोसेसिंग फीस, बायोमेट्रिक सत्यापन, टिकट और अन्य औपचारिकताओं के नाम पर लगातार नकद और ऑनलाइन माध्यम से रकम वसूली। कई किश्तों में लिए गए पैसों की कुल राशि 12 लाख 65 हजार 900 रुपए तक पहुंच गई, जो दोनों ने अपनी जीवनभर की जमा पूंजी और कर्ज लेकर जुटाई थी।

मामले का खुलासा तब हुआ जब 11 मई को हीरामन मंडल अहमदाबाद एयरपोर्ट से यूके जाने के लिए पहुंचे। जांच के दौरान इमिग्रेशन अधिकारियों ने उनका पासपोर्ट पूरी तरह फर्जी पाया और उन्हें यात्रा से रोक दिया। पुलिस को बैंक स्टेटमेंट, ऑनलाइन ट्रांजैक्शन हिस्ट्री, व्हाट्सएप चैट, डेमो टिकट तथा फर्जी पासपोर्ट सहित कई दस्तावेज सौंपे हैं। बृजपुर थाना पुलिस ने आरोपी आशु चौधरी के विरुद्ध धोखाधड़ी, कूटरचना और जालसाजी से संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस जांच कर रही है कि कहीं यह मामला विदेश भेजने के नाम पर सक्रिय किसी बड़े अंतरराज्यीय गिरोह से तो जुड़ा नहीं है।

दो वर्ष पूर्व तहसील परिसर में लगाए गए पौधे दे रहे भीषण गर्मी में राहत

नवभारत न्यूज

अजयगढ़, 13 जून। अजयगढ तहसील परिसर के सामने तहसीलदार अजयगढ़ सुरेन्द्र अहिरवार एवं उनके स्टाफ द्वारा 2 वर्ष पूर्व वृक्षारोपण किया गया था जिससे तहसील परिसर का वृक्षारोपण हरा भरा है और आज इसका आनंद इस भीषण गर्मी में तहसील क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों से आये पक्षकार एवं कृषक भरपूर ले रहे है।

तहसीलदार सुरेंद्र कुमार प्रतिदिन ड्यूटी पर तैनात हाजरी के कोटवारों चौकीदारों से अपने सामने पानी लगवाते हैं और वृक्षों की नीदाई गुड़ाई करवाते हैं समय समय पर खाद डलवाते हैं जिसका परिणाम यह है कि वहां पर रोपे गए पौधे शत प्रतिशत जीवित हैं और इस गर्मी के मौसम में भी हरा-भरा है एवं फूल भी बड़ी मात्रा में खिले रहते हैं जो लोगों को आकर्षित करते हैं। तहसील परिसर के वृक्षारोपण की कृषक गांव-गांव पहुंचकर तारीफ करते हैं और सत प्रतिशत सफल वृक्षारोपण से तहसील परिसर की रौनक भी बढ़ाती है। तहसीलदार सुरेंद्र कुमार ने बताया कि 2 वर्ष पूर्व किया वृक्षारोपण में सफलता मिलने के कारण तहसील परिसर के पूरब की ओर पड़े मैदान में भी इस वर्ष वर्षा काल में वृक्षारोपण करने की योजना है जिससे तहसील परिसर दोनों तरफसे हरा-भरा नजर आए और आने वाले कृषकों को गर्मी के मौसम में पेड़ों की छाया एवं हरियाली मिल सके जब वृक्ष लगाकर उसको बढ़ता हुआ देखने में जो आनंद आता है इसकी अनुभूति हम कर सकते हैं और हमेशा वृक्षारोपण करते रहेंगे।

वनमंडल ने शुरू किया जनभागीदारी आधारित बीज संग्रहण अभियान

वन महोत्सव 1 से 7 जुलाई तक विशेष बीज संग्रहण एवं बीजदान अभियान होगा शुरू

नवभारत न्यूज

पन्ना, 13 जून। दक्षिण पन्ना वनमंडल द्वारा आगामी वन महोत्सव (1 से 7 जुलाई) के अवसर पर एक विशेष बीज संग्रहण एवं बीजदान अभियान प्रारंभ किया जा रहा है।

इस अभियान की प्रेरणा शाहनगर परिक्षेत्र में पदस्थ वनरक्षक आशीष कुमार पाण्डेय की उस सराहनीय पहल से मिली है, जिसमें उन्होंने नागरिकों से अपील की कि आम, जामुन, नीम, सीताफल, बेर तथा अन्य मौसमी फलों के बीजों को फेंकने के बजाय सुरक्षित रूप से एकत्रित किया जाए। उनकी इस सोच को दक्षिण पन्ना वनमंडल ने अपनाते हुए इसे जनभागीदारी आधारित पर्यावरण संरक्षण अभियान का स्वरूप दिया है। वन विभाग ने नागरिकों से आग्रह किया है कि जून माह में अपने घरों, विद्यालयों, खेतों तथा आसपास उपलब्ध फलों के बीजों का संग्रहण करें और 1 से 7 जुलाई के बीच उन्हें अपने निकटतम वन परिक्षेत्र कार्यालय सलेहा, शाहनगर, रैपुरा, कल्दा, मोहन्द्रा अथवा उपवनमंडल कार्यालय, पन्ना में जमा कराएं। प्राप्त बीजों का उपयोग वर्षाकाल में वन विभाग द्वारा बिगड़े एवं रिक्त वन क्षेत्रों में बुवाई और पौध स्थापना के लिए किया जाएगा, जिससे कम लागत में बड़े स्तर पर हरित आवरण बढ़ाने में सहायता मिलेगी। दक्षिण पन्ना वनमंडल ने घोषणा की है कि अभियान में वनमंडल स्तर पर सर्वाधिक योगदान देने वाले शीर्ष तीन बीज संग्राहकों को विशेष आकर्षक उपहार देकर सम्मानित किया जाएगा। वन विभाग ने सभी नागरिकों, विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संगठनों, ग्राम वन समितियों एवं प्रकृति प्रेमियों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील करते हुए कहा है कि आज का एक बीज, कल का एक वृक्ष है; और आज का एक वृक्ष, आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य।

गुनौर में जनकल्याण शिविर का आयोजन, वरिष्ठ अधिकारी पहुंचे

नवभारत न्यूज

पन्ना, 13 जून। शासन के निर्देशानुसार सभी पात्र हितग्राहियों तक शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ सुनिश्चित करने की मंशा से विकासखंड और नगरीय निकाय मुख्यालयों में तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

रविवार, 14 जून को भी निर्धारित स्थान पर शिविर लगेंगे। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी द्वारा शनिवार को जनपद पंचायत गुनौर में आयोजित विकासखण्ड गुनौर एवं नगर परिषद गुनौर के संयुक्त शिविर का निरीक्षण किया गया। उन्होंने कहा कि शिविर में सीएम हेल्पलाइन की 100 दिवस से अधिक समय की लंबित शिकायतें विशेष रूप से निराकृत की जाएं। इसके लिए शिकायतकर्ता से संपर्क कर एवं समक्ष में शिकायत सुनकर प्रमुखता से निराकरण करें। इसी तरह लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत समय सीमा में नागरिक सेवाओं का प्रदाय भी सुनिश्चित किया जाए। जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि रोजगारपरक योजनाओं के लाभ के लिए बैंक स्तर पर आवश्यक समन्वय कर पात्र हितग्राही को समय सीमा में लाभ प्रदान करें। इसी तरह शिविर के दौरान आयुष्मान, फॉर्मर आईडी, पीएम किसान, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लाभ सहित पशु टैगिंग का कार्य भी सुनिश्चित हो। किसी एक ग्राम पंचायत को सरकारी योजना में शत प्रतिशत सेचुरेशन करने की दिशा में भी कार्य कर अपेक्षित प्रगति लाएं। किसान हितैषी योजनाओं का भी संबंधित विभाग द्वारा प्रचार-प्रसार कर कृषकों को लाभांवित करें। उन्होंने शिविर में विभागवार प्राप्त आवेदनों की जानकारी लेकर अधिकाधिक संख्या में लोगों को लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों द्वारा विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। सहायक संचालक उद्यान पी.के. श्रीवास्तव ने शिविर में शामिल विभाग की 3 योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान कर लाभ उठाने की अपील की। इसमें प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना, निजी बीज विक्रेताओं को लाइसेंस प्रदान करना तथा प्रोटेक्टिव कल्टीवेशन शामिल है। इसी तरह तहसीलदार भू संसाधन प्रबंधन मेघेन्द्र बंदोपाध्याय द्वारा राजस्व विभाग की शिविर में शामिल विभिन्न सेवाओं से अवगत कराया गया।

ट्राला की टक्कर से दो वर्षीय मासूम की मौत

नवभारत न्यूज

पन्ना, 13 जून। जिले की सिमरिया से वाया अमानगंज पन्ना रोड़ मौत की रोड़ के नाम से चर्चित है। जिसमें लगभग 24 घंटे सैकड़ों जानलेवा ट्राला अधिकांशतः चलते है अन्य वाहन कम। इनके चालक बेलगाम तरीके से ट्राला चलाते हुये आये दिन लोगो की जान ले रहे है।

लेकिन इस पर लगाम लगाने हेतु कोई प्रयास नही किये जा रहे, जिसके चलते गत दिवस फिर एक मासूम की जान बेलगाम ट्राला ने ले ली। हासिल जानकारी के अनुसार पन्ना-अमानगंज मुख्य मार्ग पर स्थित कुर्सी मोड़ के पास हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो वर्षीय मासूम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार फरियादी गुमान आदिवासी उम्र 15 वर्ष, निवासी ग्राम विलहटा, हाल निवास तारा टेक, थाना अमानगंज, अपनी मोटरसाइकिल से अपनी बहन सावित्री बाई और दो वर्षीय भांजे मुकेश आदिवासी को लेकर तारा टेक से अमानगंज जा रहा था। सुबह करीब 9 बजे जब वे कुर्सी मोड़ के पास पहुंचे, तभी ट्राला क्रमांक एनएल 01 एके 2131 ने बाइक को कट मार दिया।

अचानक हुए इस घटनाक्रम से बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई और बाइक सवार तीनों लोग नीचे जा गिरे। इसी दौरान ट्राला का पिछला पहिया दो वर्षीय मुकेश आदिवासी के ऊपर से गुजर गया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं सावित्री बाई के दोनों पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। हादसे के बाद ट्राला चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही अमानगंज पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने ट्राला को कब्जे में लेकर मामला दर्ज कर लिया तथा फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

बेलगाम ट्रैक्टर ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, आधा दर्जन घायल

नवभारत न्यूज

पन्ना, 13 जून। जिले के पन्ना-पहाड़ीखेरा मार्ग पर लक्ष्मीपुर पेट्रोल पंप के पास एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रैक्टर ने सवारियों से भरे ई-रिक्शा को सामने से इतनी भीषण टक्कर मारी कि ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना इतनी भयानक थी कि मौके पर चीख-पुकार मच गई और अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया।

इस हादसे में ई-रिक्शा चालक समेत कुल पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक ई-रिक्शा पन्ना से सवारियां लेकर बृजपुर की ओर जा रहा था। इसी दौरान लक्ष्मीपुर पेट्रोल पंप के समीप विपरीत दिशा से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर क्रमांक एमपी-16, जेडए-9520 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए ई-रिक्शा को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही ई-रिक्शा में सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई। इस हादसे में ई-रिक्शा चालक संजू अहिरवार सहित उसमें सवार तीन महिलाएं तुलसी विश्वास, आशा यादव और लक्ष्मी अहिरवार गंभीर रूप से जख्मी हो गईं। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय राहगीर और आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े। राहगीरों की तत्परता से तत्काल 108 एम्बुलेंस को सूचना दी गई, जिसके बाद सभी घायलों को आनन-फानन में जिला चिकित्सालय पन्ना ले जाया गया। अस्पताल में भर्ती सभी घायलों का ईलाज चल रहा है।

आज योग का ऑनलाइन सत्र, हर नागरिक से शामिल होने की अपील

नवभारत न्यूज

पन्ना, 13 जून। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के पूर्व जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के तत्वाधान में आज 14 जून को योग का ऑनलाइन सत्र आयोजित किया जाएगा। इसमें सभी जिलेवासियों से शामिल होने की अपील की गई है।

योग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है, जिसने आज सम्पूर्ण विश्व को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का मार्ग दिखाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एक वैश्विक जनआंदोलन के रूप में स्थापित हुआ है। आज अनेक राष्ट्र योग के महत्व को स्वीकार और अंगीकार कर चुके हैं। योग दिवस 21 जून पर अनेक आयोजनों के साथ ही 14 जून को विशेष ऑनलाइन सत्र आयोजित किया जा रहा है। बीस मिनिट के इस ऑनलाइन सत्र में कोई भी नागरिक हिस्सा ले सकता है।

उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सातवें काउंटडाउन के अवसर पर आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने 14 जून को प्रातः 6.15 बजे से 7.35 बजे तक एक विशेष ऑनलाइन योग सत्र के आयोजन का निर्णय लिया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अधिक से अधिक नागरिकों को योग से जोड़ते हुए स्वस्थ, जागरूक एवं निरोग समाज का निर्माण करना है। सभी नागरिकों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठजनों, विद्यार्थियों, शासकीय सेवकों एवं सामाजिक संगठनों से आग्रह किया गया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से आरक्षक की मौत, एसपी ने दी श्रद्धांजलि

नवभारत न्यूज

पन्ना, 13 जून। पन्ना-छतरपुर नेशनल हाईवे-39 पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में अजयगढ़ थाने में पदस्थ एक युवा आरक्षक की मौत हो गई, जबकि उनका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना से पुलिस विभाग और क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। हादसा 11 और 12 जून की दरमियानी रात स्मृति वन के पास हुआ। घायल युवक का जिला अस्पताल पन्ना में उपचार जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पन्ना निवासी 26 वर्षीय अभय श्रीवास अजयगढ़ थाने में आरक्षक के पद पर पदस्थ थे। वे अपने मित्र अरविंद सिंह के साथ स्विफ्ट कार से मनोर गए थे। बताया जाता है कि दोनों मनोर स्थित एक ढाबे पर भोजन करने के बाद देर रात पन्ना लौट रहे थे। इसी दौरान रात करीब 3 बजे स्मृति वन के पास उनकी कार को पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई।

हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर राहगीरों और पुलिस की मदद से दोनों को तत्काल जिला अस्पताल पन्ना पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान आरक्षक अभय श्रीवास ने दम तोड़ दिया। वहीं अरविंद सिंह की हालत गंभीर बनी हुई है और चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर वाहन और उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है। दुर्घटना के कारणों की भी जांच की जा रही है।

एसपी ने पुष्पचक्र प्रदान कर श्रद्धासुमन अर्पित किए

बताया जा रहा है कि दिवंगत आरक्षक अभय श्रीवास की कुछ समय पहले ही अनुकंपा नियुक्ति हुई थी और वे अजयगढ़ थाने में अपनी सेवाएं दे रहे थे। कम उम्र में उनके निधन की खबर से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू दिवंगत आरक्षक के निवास पहुंची और पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस दौरान रक्षित निरीक्षक खिलावन सिंह तोमर सहित पुलिस विभाग के अधिकारी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

सलेहा रेंज की वन चौकियों में महीनों से लटका है ताला

वनों की सुरक्षा भगवान भरोसे

नवभारत न्यूज

गुनौर, 13 जून। दक्षिण वन मंडल पन्ना के अंतर्गत आने वाले सलेहा रेंज परिक्षेत्र में वन सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

एक ओर जहां प्रदेशभर में वन विभाग जंगलों को आग, अवैध कटाई और वन्य अपराधों से बचाने के लिए विशेष अभियान चलाने के दावे करता है, वहीं दूसरी ओर सलेहा रेंज की खबरी-बछौन, बौलिया चौकी में ताला लटका होने की बात सामने आई है। इससे क्षेत्र के जंगलों की सुरक्षा भगवान भरोसे है। जानकारी के अनुसार वर्तमान समय वन विभाग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। फायर सीजन के दौरान जंगलों में आग लगने की घटनाओं को रोकने, वन संपदा की निगरानी करने और वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारियों की सक्रिय मौजूदगी आवश्यक होती है। लेकिन सलेहा रेंज के खबरी-बछौन व बौलिया क्षेत्र में स्थिति इसके ठीक विपरीत दिखाई दे रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि चौकी में पदस्थ कर्मचारी मुख्यालय में निवास नहीं करते और न ही नियमित रूप से जंगलों में गश्त करते हैं। रेंजर सलेहा भी निष्क्रीय है या फिर ये कहें कि उनका स्टाफ पर नियंत्रण नही है। चौकी भवन पर लंबे समय से ताला लटका होने से विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जिन कर्मचारियों के कंधों पर जंगलों की सुरक्षा की जिम्मेदारी है, वे मुख्यालय से दूर रहकर आराम फरमा रहे हैं। ऐसे में जंगलों की निगरानी का कार्य चौकीदारों के भरोसे चल रहा है। यदि क्षेत्र में आगजनी, अवैध कटाई या वन्य अपराध की कोई घटना घटित होती है तो उसकी जिम्मेदारी आखिर किसकी होगी, यह बड़ा सवाल बनकर सामने खड़ा है। जब उपरोक्त मामलें में सलेहा रेंजर जीतू सिंह बघेल से चर्चा करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने अपना मोबाइल रिसीव नही किया। हालांकि ये पहला मौका नही जब भी विभागीय जानकारी के लिये उन्हें कोई फोन किया जाता है तो वे कभी मोबाइल रिसीव नही करती है।

पवई का अधूरा बाइपास निर्माण बारिश में बनेगा परेशानी

11 किलोमीटर लंबी बायपास अब भी अधूरा, निर्माण कार्य की गति धीमी

नवभारत न्यूज

पन्ना, 13 जून। पवई नगर को यातायात जाम और भारी वाहनों के दबाव से राहत दिलाने के लिए शुरू की गई 11 किलोमीटर लंबी बायपास परियोजना अब भी अधूरी पड़ी है। निर्माण कार्य की धीमी गति के कारण लोगों को अभी और इंतजार करना पड़ेगा।

बायपास मार्ग पर कई स्थानों पर पुलिया और अन्य संरचनाओं का निर्माण कार्य अभी भी जारी है। जब तक यह कार्य पूरा नहीं होता, तब तक मार्ग पर वाहनों का संचालन संभव नहीं है। परियोजना के पूर्ण होने के बाद पन्ना-कटनी मार्ग से गुजरने वाले भारी वाहनों को नगर के बाहर से निकाला जाना था, जिससे शहर के भीतर यातायात का दबाव कम होता और लोगों को राहत मिलती। बायपास अधूरा होने का सीधा असर नगर की यातायात व्यवस्था पर दिखाई दे रहा है।

भारी वाहन अब भी मुख्य मार्गों से होकर गुजर रहे हैं, जिससे करही तिराहा और मोहंद्रा तिराहा पर दिनभर जाम जैसी स्थिति बनी रहती है। स्कूल बसों, एम्बुलेंस तथा दैनिक यात्रियों को भी यातायात बाधाओं का सामना करना पड़ता है। व्यापारियों का भी मानना है कि बाजार क्षेत्र से गुजरने वाले बड़े वाहनों के कारण कई बार व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं और ग्राहकों को भी परेशानी होती है। इधर, बरसात का मौसम करीब आने से चिंता और बढ़ गई है। यदि शेष निर्माण कार्य समय रहते पूरा नहीं किया गया तो बारिश के कारण काम और धीमा पड़ सकता है, जिससे परियोजना के पूर्ण होने में और देरी होगी। नगरवासियों ने संबंधित विभाग और निर्माण एजेंसी से मांग की है कि बायपास निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए।

43 करोड़ की मरम्मत में गड़बड़ी, न साइड सोल्डर बना रहे, न टूटी रेलिंग

सड़क पर जगह-जगह गड्ढे, बारिश में हादसों का खतरा बढ़ा

नवभारत न्यूज

पन्ना, 13 जून। राष्ट्रीय राजमार्ग-39 पर इन दिनों 43 करोड़ रुपए की लागत से मरम्मत कार्य चल रहा है। मरम्मत के बाद भी सकरिया से देवेंद्रनगर तक का सफर आज भी लोगों के लिए परेशानी और जोखिम से भरा बना हुआ है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हैं। टूटी सुरक्षा रेलिंग और अधूरे निर्माण कार्य हादसों को आमंत्रण दे रहे हैं।

क्षेत्रवासियों के अनुसार सड़क मरम्मत का काम केवल औपचारिकता बनकर रह गया है। सकरिया से देवेंद्रनगर मार्ग पर कई स्थानों पर केवल एक तरफकी सतह पर डामरीकरण किया गया है, जबकि दूसरी ओर की स्थिति जस की तस बनी हुई है। इतना ही नहीं सड़क किनारे चलने वाले साइड शोल्डर को व्यवस्थित रूप से नहीं बनाया जा रहा है, जिससे वाहनों के नीचे उतरने पर हादसे का खतरा बना रहता है। सड़क सुरक्षा में बेहद महात्वपूर्ण माने जाने वाले ये शोल्डर दुर्घटना की स्थिति में वाहन चालकों को संभालने का मौका देते हैं, लेकिन इनके अभाव में मामूली चूक भी गंभीर हादसे का कारण बन सकती है।

43 करोड़ के मरम्मत पर गुणवत्ता के सवाल - राष्ट्रीय राजमार्ग-39 की मरम्मत पर करीब 43 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन कई स्थानों पर निर्माण गुणवत्ता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। सड़क निर्माण तकनीक के अनुसार डामरीकरण से पहले सतह की सफाई, गड्ढों की मरम्मत और टैक कोट का छिड़काव आवश्यक होता है, ताकि नई बिटुमिनस परत पुरानी सतह से मजबूती से जुड़ सके।

बारिश में बढ़ सकती हैं दुर्घटनाएं

जानकारियों का कहना है कि सड़क की सतह पर पर्याप्त कॉम्पेक्शन और जल निकासी नहीं है, तो बारिश के दौरान पानी डामर की परत के नीचे पहुंचकर उसे कमजोर कर देता है। इससे गड्ढे तेजी से बढ़ते हैं और सड़क की आयु कम हो जाती है। जल भराव वाले गड्ढे वाहन चालकों को दिखाई नहीं देते जिससे हादसों की आशंका कई गुना बढ़ जाती है।

बड़ागांव से देवेंद्रनगर तक आधा सैकड़ा गड्ढे

सबसे खराब स्थिति बड़ागांव से देवेंद्रनगर के बीच देखने को मिल रही है। स्थानीय लोगों का दावा है कि इस हिस्से में 50 से अधिक गड्ढे मौजूद हैं, जो वाहन चालकों के लिए रोजाना परेशानी का कारण बन रहे हैं। दोपहिया वाहन सवारों को विशेष रूप से कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार वाहन चालक गड्ढों से बचने के प्रयास में दूसरी लेन में चले जाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका और बढ़ जाती है। मानसून सीजन में सड़क पर मौजूद गड्ढे पानी से भर जाएंगे, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल हो जाएगा।